



सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने... **7** अब सजेगा राजस्थान में पंचायती... **3** भाजपा की गलत नीतियों से जनता... **2**

जन्मदिन पर जेल, तिरंगे पर घमासान मोदी-शाह की अहंकारी सरकार का अंत होकर रहेगा : सीजेपी

» सीजेपी नेताओं को जेल भेजने पर भड़के नेता प्रतिपक्ष

» सौरव व आशुतोष को पांच दिन की न्यायिक हिरासत

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क
नई दिल्ली। राजनीति की राह ही ऐसी है लाइक सब्सक्राइब के बाद अरेस्टिंग की मंजिल आती जरूर है। खबर जंतर मंतर से जहां कॉकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका को ठीक हैप्पी बर्थडे वाले दिन अदालत ने पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनके साथ सौरभ दास भी जेल की सलाखों के पीछे भेजे गये हैं किस्मत वाले रहे अजिंक्य शिंदे जिन्हें अदालत ने निजि बांड पर रिहा कर दिया। इस खबर ने काकरोचों को अंदर से हिला कर रख दिया है। नेताओं के बयान आ रहे हैं कि मोदी शाह की तानशाही सरकार का अंत निकट आ चुका है और जल्द ही सरकार को जाना होगा।

अजिंक्य शिंदे ने कहा है कि वह सिर्फ जंतर मंतर पर हाथ में तिरंगा लेकर भारत माता का जयकारा कर रहे थे और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। जबकि दिल्ली पुलिस का आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने प्रतिबंधित क्षेत्र में प्रवेश किया पुलिस की पाबंदियों का उल्लंघन किया और पहले दिए गए शांति बनाए रखने के बॉन्ड की शर्तों को तोड़ा। इसी आधार पर कार्रवाई की गई। दूसरी तरफ सीजेपी के नेताओं का कहना है कि वे अपनी बात रखने और राष्ट्रीय ध्वज फहराने पहुंचे थे। रिहा हुए अजिंक्य शिंदे ने दावा किया कि उन्होंने तिरंगा लहराया और 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, लेकिन इसके बाद सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन के लिए जेल भेज दिया गया। पार्टी के वकील ने भी पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं।

जेल से निकलेगी अगली रणनीति या आंदोलन बदलेगा अपना रास्ता?

सौरव दास और आशुतोष रांका की पांच दिन की न्यायिक हिरासत के बाद सीजेपी के सामने अब कई रास्ते हैं। पहला कानूनी राह के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाना। दूसरा दिल्ली पुलिस से शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए तारीख और स्थान तय करने की मांग पर आगे बढ़ना। तीसरा एसआईटर और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपने अनियान को जारी रखना। 12 अक्टूबर को सीजेपी नेताओं ने दिल्ली पुलिस से शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए तारीख देने और प्रदर्शन स्थल उपलब्ध कराने की मांग की थी। उन्होंने पुलिस से कार्रवाई में तनाव कम करने की अपील भी की थी। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी कानूनी और आंदोलनकारी दोनों मोर्चों पर सक्रिय रहना चाहती है। अब देखना होगा कि पार्टी अपनी अगली रणनीति में किस रास्ते को प्राथमिकता देती है अदालत में चुनौती प्रशासन से बातचीत या नए विरोध कार्यक्रम।

साझा मोर्चे की परीक्षा

सीजेपी नेताओं की न्यायिक हिरासत ने विपक्षी दलों के सामने विरोध के अधिकार और पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाने का एक नया मुद्दा रखा है। आम आदमी पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने हिरासत की आलोचना करते हुए इसे तिरंगा लहराने से जोड़ा और कार्रवाई को तानशाही बताया। कांग्रेस भी लगातार सरकार की तानशाही का निंदा कर रही है।

“नेताओं के बयान आ रहे हैं कि मोदी शाह की तानशाही सरकार का अंत निकट आ चुका है और जल्द ही सरकार को जाना होगा।”

► दिन की न्यायिक हिरासत में कॉकरोच जनता पार्टी के नेता आशुतोष रांका को भेजा गया

युवाओं को जेल भेजना कायरता : राहुल

लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि जंतर-मंतर पर तिरंगा लहराने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी नेताओं को जेल भेजना कायरता का काम है। यह बयान तब आया जब सीजेपी नेता सौरव दास और आशुतोष रांका को बुधवार को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया जबकि अजिंक्य शिंदे को निजी मुचलके पर रिहा कर दिया गया। राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा शांतिपूर्ण विरोध में जंतर-मंतर

पर तिरंगा लहराना अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल भेजना कायरता का काम है। छात्र, युवा, फ़कार, इंडिया ब्लॉक, अलग-अलग बैनर के एक ही कारण है कि नागरिक अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग कर रहे हैं। उन्होंने कहा जंतर-मंतर भारत के लोगों का है हम इसे वापस लेंगे तीन सीजेपी सदस्यों को जंतर-मंतर में अतिक्रमण के लिए निवारक विरपतारी के तहत पकड़ा गया था जिसे अब निर्धारित विरोध स्थल के रूप में गैर-अधिसूचित कर दिया गया है। उन पर अतिक्रमण, बॉन्ड उल्लंघन और लोक सेवकों के कर्तव्य में बाधा डालने का मामला दर्ज किया गया है। सीजेपी के संस्थापक अजिंक्य शिंदे के साथ सौरव दास और आशुतोष रांका को 10 अक्टूबर के विरोध से जुड़े मामले में 50,000 रुपये का बॉन्ड भरने और इस शर्त पर रिहा किया गया था कि वे एक साल तक शांति मंग के किसी भी मामले में शामिल नहीं होंगे। इस बार सौरव दास और आशुतोष रांका पर अतिक्रमण और बॉन्ड शर्तों के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया है। उन्हें आदतन अपराधी के तौर पर देखा जा रहा है।

खुल गया लड़ाई का नया मोर्चा

सीजेपी ने इस कार्रवाई को राजनीतिक लड़ाई का नया मोर्चा बन दिया है। पार्टी नेताओं का कहना है कि वह पीछे हटने वाले नहीं हैं। उधर सौरव दास और आशुतोष रांका को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने से विवाद और गहरा गया है। जन्मदिन पर जेल पहुंचने की घटना ने इस पूरे प्रकरण को प्रतीकमय रंग दे दिया है। तिरंगे से शुरू हुई बहस अब विरपतारी विरोध के अधिकार और कानून के पालन तक पहुंच गई है। सीजेपी के वकील अभिषेक हेला ने नीडिया से बातचीत में पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस आशंका के आधार पर नेताओं को पांच दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे जाने की मांग की कि वह कोई अपराध कर सकते हैं।

जंतर-मंतर पर ताला विरोध की आवाज कहां जाएगी?

जंतर-मंतर लंबे समय से दिल्ली में राजनीतिक और सामाजिक विरोध प्रदर्शनों की पहचान रहा है। ऐसे में इसे निर्धारित प्रदर्शन स्थल की सूची से हटाने का फैसला सीजेपी के

विरोध का एक प्रमुख मुद्दा बन गया है। दिल्ली पुलिस ने इसके बजाय रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और सीबीडी मैदान को प्रदर्शन के लिए निर्धारित किया। सीजेपी का तर्क है

कि जंतर-मंतर जैसे केंद्रीय स्थान पर प्रदर्शन की अपनी राजनीतिक दृश्यता होती है। दूसरी ओर प्रशासन के सामने सार्वजनिक व्यवस्था और सुरक्षा बनाए रखने की जिम्मेदारी

है। अब असली सवाल यह है कि क्या वैकल्पिक स्थानों पर भी प्रदर्शनकारियों को प्रभावी ढंग से अपनी बात रखने का अवसर मिलेगा।

भाजपा की गलत नीतियों से जनता कराह रही : अखिलेश

» सपा प्रमुख बोले- मुनाफाखोरी के कारण महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़े

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का भाजपा सरकार पर प्रहार जारी है। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा सरकार की गलत नीतियों और मुनाफाखोरी के कारण महंगाई ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। महंगाई चरम पर पहुंच गई है। खाद्य पदार्थों की कीमतें लगातार बढ़ती जा रही हैं। भाजपा सरकार महंगाई रोकने में पूरी तरह से विफल है। महंगाई की मार से जनता कराह रही है। डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की कीमत पहले से ही आसमान पर हैं।

अखिलेश यादव ने जारी बयान में कहा कि सरकार के विभिन्न विभाग के आंकड़े बता रहे हैं कि महंगाई के सारे रिकॉर्ड टूट गए हैं। महंगाई बराबर हो रही लूट में भाजपा को चंदे के रूप में हिस्सा मिलता है। जब-जब त्योहार आता है, तब-तब जनता से यह लूट और बढ़ जाती है। महंगाई ने त्योहारों को फीका कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार जब तक रहेगी, महंगाई बढ़ती रहेगी।



जनता की लूट होती रहेगी। महंगाई और बेरोजगारी से त्रस्त जनता ने भाजपा सरकार को सत्ता से हटाने का का फैसला कर लिया है।

केशव व सपा प्रमुख में हुआ वार-पलटवार

छिट्टी सीएम केशव प्रसाद मोर्य ने अखिलेश यादव और राहुल गांधी को अत्यधिक अहंकारी बताते हुए आरोप लगाया कि दोनों नेता दूसरे नेताओं को सम्मानजनक भाषा में संबोधित नहीं करते। राजनीतिक मतभेदों के बावजूद नेताओं को एक-दूसरे का सम्मान करना चाहिए। केशव प्रसाद मोर्य ने विपक्षी नेताओं की भाषा और व्यवहार को लेकर सवाल उठाए। केशव मोर्य ने केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय लोकदल के प्रमुख जयंत चौधरी का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने किसी नेता के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। उन्होंने इसे अपने राजनीतिक संस्कार से बताते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने केशव प्रसाद मोर्य को स्वाभिमान शून्य बताया। उन्होंने कहा कि अगर स्वाभिमान होता तो जनता द्वारा चुनाव हराए जाने के बाद सरकार में नहीं रहते। प्रमुख मंत्रालय छिन जाने पर चुप्पी न साध लेते। वर्चस्ववादियों के दिए अपमान के घूंट नहीं पीते। पीडीए का दमन- उत्पीड़न करने वाले प्रभुत्ववादियों के पिछलग्गू न बनते।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय बवाल की जांच शुरू

» पांच सदस्यों की टीम लगाएगी सच का पता

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में रविवार को हुए बवाल और जूते चलने के मामले में पार्टी ने जांच शुरू कर दी है। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष बृजलाल खाबरी की अध्यक्षता में गठित पांच सदस्यीय कमेटी पूरे मामले में तथ्य जुटा रही है। कार्यालय से सीसीटीवी फुटेज के साथ ही मीडिया रिपोर्ट और विभिन्न तरह के वीडियो को इकट्ठा किया जा रहा है।

कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में रविवार को हुए बवाल के बाद प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम ने पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व सांसद बृजलाल खाबरी की अध्यक्षता में कमेटी बनाई गई है। कमेटी में सचिव अभिषेक दत्त, अब्दुल हन्तान, पूर्व सांसद रवि वर्मा और शमीमा बानो को शामिल किया गया है। कमेटी को सात दिन में रिपोर्ट देने का निर्देश दिया गया है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधित के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। कमेटी ने मंगलवार को जांच शुरू कर दी है। कमेटी से जुड़े एक सदस्य ने बताया कि पार्टी मुख्यालय के सीसीटीवी कैमरों के फुटेज भी सुरक्षित किया जा रहा है। इसके अलावा मीडिया में आई विभिन्न रिपोर्ट को भी इकट्ठा किया जा रहा है। कोशिश

है कि ज्यादा से ज्यादा तथ्य जुटाए जाएं। फिर फुटेज में दिखने वालों के बयान भी लिए जाएंगे। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में रविवार को नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा मोना का पदभार ग्रहण समारोह था। इस बीच निवर्तमान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय समर्थकों और पार्षद ममता चौधरी के बीच विवाद हो गया। गाली गलौच और जूते लहराए गए। अजय राय नाराज होकर बाहर चले। बाह में उन्हें मनाकर अंदर लाया गया।

अजय राय ने आरोप लगाया कि पार्षद ममता चौधरी ने अभद्रता की। पहले दिन चुप्पी साधने के बाद दूसरे दिन ममता चौधरी ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि वह दूसरी तरफ खड़ी थीं। तभी अजय राय व उनके समर्थकों ने अपशब्द बोले। कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय में रविवार को जिस तरह की घटना हुई, उसे लेकर दूसरे दलों के नेता भी तरह- तरह की टिप्पणी करते नजर आए। ऐसे में सोमवार को कांग्रेस बचाव की मुद्रा में नजर आई। पार्टी मीडिया विभाग के अध्यक्ष कुंवर निषाद ने कहा कि कुछ बाहरी तत्व कार्यालय में घुस आए थे। उन्होंने ही अराजकता फैलाने की कोशिश की। पार्टी की वर्तमान अध्यक्ष आराधना मिश्रा और पूर्व अध्यक्ष अजय राय के बीच किसी तरह की मनमुटाव नहीं है। जो भी हुआ है, वह बाहरी लोगों की वजह से हुआ है।

छह दिसंबर को बसपा लखनऊ में करेगी रैली

» बसपा प्रमुख मायावती लेंगी फैसला

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुटी बसपा 6 दिसंबर को डॉ. भीमराव आंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस पर राजधानी में शक्ति प्रदर्शन की योजना बना रही है। बसपा में इसे लेकर सुगबुहाहट तेज होती जा रही है हालांकि इस बाबत अंतिम फैसला पार्टी अध्यक्ष मायावती लेंगी।

सूत्रों के मुताबिक 6 दिसंबर को प्रस्तावित रैली को मायावती के साथ राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद भी संबोधित कर सकते हैं। दरअसल, 26 नवंबर को आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) की राजधानी स्थित रमाबाई आंबेडकर मैदान में रैली है। इसमें देश भर से उसके समर्थक जुटेंगे। इसके जवाब में बसपा भी शक्ति प्रदर्शन कर सकती है। चर्चा है कि बसपा



विधानसभा चुनाव से पहले 20 लाख से अधिक समर्थकों को जुटाने की तैयारी में है। बसपा इसी के साथ अपने चुनाव अभियान का औपचारिक रूप से आगाज भी करेगी।

दुष्यंत को राज्यपाल बनाने पर पुनर्विचार हो : गणेश गोदियाल

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

देहरादून। चर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआईपी के खुलासे के लिए केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच जारी रहने के बीच भाजपा नेता दुष्यंत गौतम को सिक्किम का राज्यपाल बनाए जाने के विरोध में कांग्रेस ने मौन उपवास रखा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी तथा कार्यकर्ता यहां गांधी पार्क में इकट्ठा हुए और गौतम की नियुक्ति को संवैधानिक पद का संरक्षण देकर जांच से बचाने का प्रयास बताते हुए इस कदम का विरोध किया।

उन्होंने गौतम की नियुक्ति पर पुनर्विचार की मांग भी की। कार्यकर्ताओं ने महात्मा गांधी की मूर्ति के नीचे धरना दिया और अंकिता को न्याय दिलाने के लिए हत्याकांड में कथित वीआईपी की भूमिका की जांच में तेजी लाए जाने की मांग की। गोदियाल ने संवाददाताओं से बातचीत में आरोप लगाया कि अंकिता के माता-पिता ने सरकार से इस तथ्य का परीक्षण कराने की मांग की थी कि हत्याकांड में शामिल कथित वीआईपी क्या यही थे। उन्होंने कहा,



“इसके बजाय उन्हें राज्यपाल बनाकर सेफ पैसेज (सुरक्षित रास्ता) दे दिया गया जिससे अब उन पर मुकदमा भी न चल सके।” कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनभावनाओं को कुचलकर ऐसे व्यक्ति को राज्यपाल बनवा कर उत्तराखंड के प्रति अपनी भावनाएं प्रदर्शित कर दी हैं।

उन्होंने कहा, “इससे हम सब आहत हैं... प्रदेश का प्रत्येक नागरिक इसका पुरजोर विरोध करेगा।” उन्होंने कहा कि प्रदेश की बेटी को न्याय दिलाने के लिए कांग्रेस पार्टी स?क से सदन तक अपना संघर्ष जारी रखेगी और कथित वीआईपी समेत हत्याकांड से जुड़े सभी

सवालियों का संतोषजनक जवाब मिलने तक चुप नहीं बैठेगी। गोदियाल ने केंद्र और राज्य सरकारों से सीबीआई जांच में तेजी लाकर निष्पक्षता से जांच करने तथा गौतम की राज्यपाल पद पर नियुक्ति पर पुनर्विचार करने की मांग की। ऋषिकेश के पास वनत्रा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने वाली 19 वर्षीय अंकिता की 18 सितंबर 2022 को रिजॉर्ट मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो कर्मचारियों-सौरभ भास्कर और अंकित गुप्ता के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। घटना के चार दिन बाद चीला नहर से अंकिता का शव बरामद हुआ था। तीनों को इस मामले में अदालत से उम्रकैद की सजा सुनाई गयी है। हालांकि, पिछले साल दिसंबर में पूर्व भाजपा विधायक सुरेश राठौर और खुद को उनकी पत्नी बताने वाली अभिनेत्री उर्मिला सनावर के बीच बातचीत के ऑडियो क्लिप सोशल मीडिया पर प्रसारित होने के बाद अंकिता हत्याकांड में कथित वीआईपी के शामिल होने का मामला सुर्खियों में आ गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने मौन उपवास रख किया विरोध

दूसरे दल में शामिल होने का विचार नहीं : अजय राय

□□□ 4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। ममता चौधरी से हुए विवाद के बाद पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय राय बीते दो दिनों से वाराणसी में ही मौजूद हैं और उन्होंने मीडिया से बातचीत करने को लेकर एकदम दूरी बनाई है। लेकिन, उनको लेकर सियासी गलियारों में हो रही चर्चाओं को लेकर तस्वीर साफ होती दिख रही है। जानकारी के मुताबिक अजय राय कांग्रेस पार्टी को नहीं छोड़ेंगे और पार्टी में रहकर जमीनी स्तर पर काम करेंगे।

अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी से मुक्त होने के बाद लखनऊ में हुए हंगामा को लेकर इस बात की चर्चा और तेज हो गई की क्या कांग्रेस पार्टी को छोड़कर अजय राय बीजेपी या अन्य दल में शामिल होने वाले हैं। लेकिन, फिलहाल अभी अजय



राय की तरफ से किसी भी दूसरे दल में शामिल होने का विचार नहीं किया जा रहा है। वह कांग्रेस पार्टी में ही रहकर उत्तर प्रदेश में कांग्रेस को मजबूती प्रदान करेंगे। इसके अलावा वह वाराणसी के पिंडरा विधानसभा

से चुनाव लड़ने की तैयारी में जुट चुके हैं। लखनऊ हंगामा के बाद कांग्रेस नेता अजय राय वाराणसी स्थित अपने आवास पर हैं। इस दौरान मीडिया ने लगातार उनसे बातचीत करने का प्रयास किया लेकिन, अजय राय ने मीडिया से पूरी तरह दूरी बना रखी है। इस दौरान इस बात को लेकर अटकलें और तेज हो गई की क्या कांग्रेस पार्टी को छोड़कर अजय राय बीजेपी में शामिल होने जा रहे हैं।

इन तमाम कयासों के बीच अजय राय लगातार कार्यकर्ताओं से मिल रहे हैं। जिसमें उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि उनका बीजेपी में जाने का कोई प्लान नहीं है। वो कांग्रेस में रहकर ही तानाशाही सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी



अब सजेगा राजस्थान में पंचायती राज चुनावों का मंच

नगर निकाय चुनाव की तरह होगी कांटे की टक्कर

भाजपा-कांग्रेस समेत सभी सियासी दल तैयारी में जुटे

» पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होंगे

4पीएम न्यूज नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान में पंचायती राज चुनावों की तैयारी शुरू हो गई। कांग्रेस व भाजपा ने एकबार फिर कमर कस लिया है। जहां कांग्रेस ने भाजपा पर कड़ी नजर रखने की योजना बनाई है वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने पार्टी कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने की अपील की है। उन्होंने आरोप लगाया कि शहरी निकाय चुनावों की तरह ही भाजपा इस बार भी पुलिस और प्रशासन का गलत इस्तेमाल करेगी।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ग्रामीण इलाकों में हमेशा मजबूत रही है और जनता के साथ मिलकर इस बेईमानी का मुकाबला किया जाएगा। वहीं राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 2026 के लिए भाजपा ने रविवार को संकल्प पत्र जारी किया। इसमें हर ग्राम पंचायत को चरणबद्ध तरीके से 'शहर ग्राम' बनाने, किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत सालाना 12 हजार रुपये देने और पांच साल में प्रत्येक पंचायत में औसतन पांच करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने का वादा किया गया है। उधर डोटासरा ने भी भाजपा पर तीखे हमले किए।

डोटासरा की चेतावनी

सबकी लिस्ट बन रही है एक-एक का हिसाब होगा

राजस्थान में पंचायत चुनाव से पहले प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार के साथ-साथ उन अधिकारियों और कर्मचारियों को भी चेतावनी दी है, जिन पर उन्होंने सरकार के गलत कामों में साथ देने का आरोप लगाया। डोटासरा ने कहा कि कांग्रेस अब 'भूलो और माफ करो' की नीति पर नहीं चलेगी। जिन लोगों ने जनता पर जुल्म किया और लोकतंत्र को कमजोर करने का काम किया, उनका एक-एक कर हिसाब लिया जाएगा। ऐसे लोगों की सूची दिल्ली में राहुल गांधी और राजस्थान में कांग्रेस तैयार कर रही है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मीडिया से बातचीत करते हुए डोटासरा ने दावा किया कि दो साल बाद राजस्थान में कांग्रेस की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले ही आचार संहिता लग जाएगी और पार्टी कार्यकर्ता उन लोगों की सूची तैयार कर रहे हैं, जिन्होंने कथित तौर पर गलत काम किए हैं। डोटासरा ने यह भी दावा किया कि कुछ आईपीएस और आईपीएस अधिकारी उन्हें फोन कर कह रहे हैं कि उन्होंने भाजपा की बेईमानी में साथ नहीं दिया है, इसलिए उनका ध्यान रखा जाए।



किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है यह हम सभी की लड़ाई है

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, "कांग्रेस हमेशा से ग्रामीण इलाकों में मजबूत रही है और इसलिए पार्टी चुनाव जीतेगी।" गहलोत ने कहा कि ये चुनाव पार्टी नेतृत्व और कार्यकर्ताओं

की सामूहिक जिम्मेदारी हैं। उन्होंने कहा, "यह किसी एक व्यक्ति की लड़ाई नहीं है। यह हम सभी की लड़ाई है। मैं जनप्रतिनिधियों से फोन पर बात भी कर रहा हूँ और कई

साथियों से पहले ही बात कर चुका हूँ।" उन्होंने कांग्रेस कार्यकर्ताओं से गांवों का दौरा करने, लोगों के बीच रहने और भाजपा की उन गतिविधियों को उजागर करने का आग्रह किया,

जिन्हें उन्होंने अलोकतांत्रिक बताया। गहलोत ने कहा, "जब लोग हमारे साथ होते हैं, तो कोई भी प्रशासन या पुलिस उनसे उनका जनादेश नहीं छीन सकती।

दो साल चुनाव नहीं कराए, 1900 करोड़ रुपये लैप्स

डोटासरा ने भाजपा के ग्रामीण विकास संकल्प पत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार ने दो साल तक पंचायत चुनाव नहीं कराए और 1900 करोड़ रुपये लैप्स कर दिए। इससे चुने हुए जनप्रतिनिधियों के अधिकार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने पंचायत राज मंत्री और ग्रामीण विकास मंत्री के बीच तालमेल की कमी का आरोप भी लगाया।

हर पंचायत में स्कूल और अस्पताल, इंटरनेट की सुविधा भी

ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए भाजपा ने हर ग्राम पंचायत में कम से कम एक उच्च माध्यमिक विद्यालय की सुविधा निश्चित करने का वादा किया है। स्कूलों में विज्ञान और कंप्यूटर प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, खेल मैदान और डिजिटल शिक्षा की व्यवस्था विकसित करने की बात कही गई है। छात्रों के लिए सुरक्षित परिवहन और जरूरत के अनुसार छात्रावास भी बनाए जाएंगे।

प्रशासन और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी भाजपा : गहलोत

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने सोमवार को पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं से आगामी पंचायती राज चुनावों के लिए एकजुट होने का आह्वान किया। गहलोत ने साथ ही चेतावनी दी कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) चुनावों में "पुलिस और

प्रशासन का दुरुपयोग दोहराएगी।" राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 22 अक्टूबर से 16 नवंबर तक चार चरणों में होंगे। गहलोत ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, "शहरी निकाय चुनावों की तरह भाजपा पंचायती राज चुनावों में भी प्रशासन



और पुलिस का दुरुपयोग निश्चित रूप से दोहराएगी। हमें लोगों को

साथ लेकर इस बेईमानी का मुकाबला करना होगा।" उन्होंने दावा किया कि कथित अनियमितताओं के बावजूद कांग्रेस ने शहरी निकाय चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया और उसे भाजपा के लगभग बराबर वोट मिले।

निकाय चुनाव में गड़बड़ी की जांच का स्वागत, बोले- दोषियों को जेल भेजना होगा

डोटासरा ने निकाय चुनाव में अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की जांच के लिए पुलिस महानिदेशक को दिए गए कांग्रेस के ज्ञापन का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जानकारी मिली है कि मामले की जांच विजिलेंस से कराई जा रही है। कांग्रेस इसका स्वागत करती है, लेकिन केवल जांच से काम नहीं चलेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन लोगों ने लोकतंत्र का गला घोट और वोटों की चोरी की, उन्हें जेल की सलाखों के पीछे जाना होगा। डोटासरा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के जटिल वोट चोरी होने के आरोप भी दोहराए। उन्होंने कहा



साथ प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि वोट चोरी के खिलाफ यह लड़ाई केवल कांग्रेस या इंडिया गठबंधन की नहीं, बल्कि देश के हर नागरिक के मताधिकार की लड़ाई है। आरोप लगाया कि लोगों के वोट देने के अधिकार को कमजोर किया जा रहा है।

कि कांग्रेस इस मुद्दे पर पीछे हटने वाली नहीं है। डोटासरा ने बताया कि इंडिया गठबंधन के दिल्ली में होने वाले विशेष प्रदर्शन में राजस्थान से हजारों कांग्रेस कार्यकर्ता शामिल होंगे। प्रदेश के हर कोने से कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचेंगे और राहुल गांधी तथा मल्लिकार्जुन खरगे के साथ प्रदर्शन करेंगे।

हर पंचायत को 'शहर ग्राम' बनाने का भाजपा का वादा

राजस्थान में पंचायती राज चुनाव 2026 को लेकर भाजपा ने ग्रामीण विकास का विस्तृत खाका पेश किया है। पार्टी ने हर ग्राम पंचायत को चरणबद्ध तरीके से 'शहर ग्राम' के रूप में विकसित करने, किसानों को पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत मिलने वाली सहायता बढ़ाकर सालाना 12 हजार रुपये करने और ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी जैसी सुविधाएं विकसित करने का वादा किया है। संकल्प पत्र में हर ग्राम पंचायत में उच्च माध्यमिक विद्यालय, चिकित्सा

सुविधा, इंटरनेट कनेक्टिविटी और अटल ज्ञान केंद्र विकसित करने से लेकर जिला मुख्यालय तक रोडवेज बस सेवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है। भाजपा ने अगले पांच वर्षों में राज्य की प्रत्येक ग्राम पंचायत में औसतन पांच करोड़ रुपये के विकास कार्य कराने की घोषणा की है। पार्टी ने इसके साथ ग्रामीण सड़कों, पेयजल, जल निकासी, सिंचाई, रोजगार, महिला स्वयं सहायता समूहों और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के विस्तार को भी प्राथमिकता दी है।

किसानों को सालाना 12 हजार रुपये, 2700 रुपये प्रति विंटल गेहूं खरीदने का वादा

भाजपा ने किसानों के लिए आर्थिक सहायता और फसल के उचित दाम को प्रमुख मुद्दा बनाया है। संकल्प पत्र के अनुसार, पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत किसानों को मिलने वाली सहायता बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष की जाएगी। गेहूं की खरीद न्यूनतम

समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ऊपर बोनस देकर 2700 रुपये प्रति विंटल की दर से करने का वादा किया गया है। साथ ही मक्का और बाजरे की एमएसपी पर खरीद की व्यवस्था करने की बात कही गई है। पार्टी ने केंद्र सरकार से एमएसपी पर खरीद के लक्ष्य को तीन गुना

कराने, ग्राम पंचायत स्तर पर किसान सेवा केंद्र विकसित करने और खाद, बीज, कीटनाशक तथा कृषि उपकरणों की उपलब्धता बेहतर बनाने का भी वादा किया है। कृषि क्षेत्र में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए 500 करोड़ रुपये के निवेश से राजस्थान एग्रीकल्चर

एक्सीलेटर मिशन शुरू करने की घोषणा की गई है। इसके अलावा 50 हजार कृषि मशीनरी इकाइयों को सब्सिडी, कीट नियंत्रण के लिए 150 करोड़ रुपये का फंड और अगले पांच वर्षों में खेतों की 1000 लाख मीटर बाड़बंदी के लिए सहायता देने का प्रस्ताव है।



Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_SanjayS

जिद... सच की

आस्था के साथ पहाड़ों की स्वच्छता भी जरूरी

भारत के बहुत से देवी व देवताओं के मंदिर पहाड़ों पर विराजमान हैं। पिछले दई दशक में इनपर पर्यटकों कर संख्या बढ़ी है। इसी के साथ पहाड़ों पर प्रदूषण भी बढ़ा है। चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है।

तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है। हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

Sanjay

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

मुश्किल कामयाबी के बावजूद सोच बदलने की चुनौती

ज्योति मल्होत्रा

जब आप कमतर आंकी गई अपनी महिला धावकों को रस ट्रैक पर सबसे श्रेष्ठ धावकों से आगे निकलते हुए देखते हैं – जैसा कि पिछले सप्ताह आइची-नागोया एशियाई खेलों में 4x400 मीटर फाइनल में कोयंबटूर की विथ्या रामराज ने किया, पहले चीनी और फिर बहरीनी धावक को पछाड़कर, तब आप सोचते हैं कि सर्वश्रेष्ठ होने का अर्थ क्या है। विथ्या ने तीसरे चक्र के बाद उत्तर प्रदेश के सहारनपुर की प्राची चौधरी से बैटन लिया; तो कर्नाटक के कूर्ग की एमआर पूवम्मा ने दूसरा चक्र दौड़ा; उसने आगे यह बैटन बंदूक की आवाज पर दौड़ शुरू करने वाली हरियाणा के सोनीपत ज़िले के गुमाड गांव की किरण पहल से पाया था।

जब आप अपने सामने अद्भुत होता देखते हैं, तो तारीफ के वही पुराने तौर-तरीके आपके दिमाग में घूमने लगते हैं। मसलन, मांसपेशियां, नसें, सालों का प्रशिक्षण और निरंतर तड़प जो सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रेरित करती रहती है- ये सब मिलकर एक दौड़ में दिखे, जिसमें देश के अपेक्षाकृत कम जाने जाते हिस्सों से आई चार महिलाएं दौड़ीं भारत की बेटियां। हमारी 'गोल्डन गर्ल्स'। विविधता में एकता। उत्तर-दक्षिण का मिलन और फर्क मिट गया। लेकिन तब क्या उन घिसी-पिटी मान्यताओं का असल में कोई अर्थ रहता है, जब ये महिला धावक -जो कुपोषण भरे बचपन, सामाजिक दबावों, गरीबी से जूझने में कड़ा संघर्ष, हर वक्त यौन उत्पीड़न की आशंका और छोटे गांव-छोटे शहरों की अव्यवस्था भरी जिंदगी के बीच भी अपने सपनों के लिए जूझती हैं और जीतती हैं? जहां एक ओर ये लड़कियां पिछले हफ्ते की शुरुआत में आइची-नागोया में अपनी ज़िंदगी के लिए दौड़ रही थीं वहीं भारत की दूसरी बेटियां दिल्ली की सड़कों पर एक पार्क में हुए सामूहिक-बलात्कार के खिलाफ विरोध कर रही थीं। हममें से जो लोग 2012 की सर्दियों में हुए 'निर्भया' यौन

उत्पीड़न के मामले को याद कर सकते हैं, उनके लिए ऐसा लगता है मानो समय वहीं थमा हुआ है और हम हैरान हो रहे हैं- क्या वास्तव में कुछ बदला भी है?

पीएम मोदी की बात करें तो उन्होंने कई तरह के टोटके आजमाए हैं, 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' से लेकर महिलाओं के बैंक खाते में पैसे डालने तक और उज्ज्वला गैस सिलेंडर जैसी सरकारी योजनाओं में बदलाव किए हैं जो महिलाओं को प्राथमिकता सुनिश्चित करती हैं। भले ही इनमें से कई योजनाओं का मकसद महिलाओं का एक राजनीतिक वोट बैंक बनाना हो -लेकिन कम से कम उन्होंने कोशिश



करना तो नहीं छोड़ा। तो फिर महिलाओं को ऐसा लगना क्यों जारी है कि उनकी कोई अहमियत नहीं? शायद इसलिए कि इन राजनीतिक कदमों के पीछे का उद्देश्य उतना नेकनीयत नहीं जितना होना चाहिए। संसद और विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने के ध्येय के साथ कई शर्तें भी जुड़ी हैं -इनमें सबसे बड़ी समस्या है कोटा देने से पहले संसद और विधानसभाओं में सीटों की संख्या में विस्तार करना। महिला हॉकी गोलकीपर सविता पूनिया, जिन्होंने चीन के विरुद्ध फाइनल मैच में पेनल्टी स्ट्रोक रोककर टीम को 1-0 से गोल्ड मेडल जिताने में मदद की, हरियाणा के सिरसा की निवासी हैं। मई 2026 में सिरसा में जन्म के समय लिंगानुपात बहुत खराब रहा है - प्रति 1,000 लड़कों पर 883 लड़कियां। सरकार ने हाल ही में चार स्वास्थ्य अधिकारियों को बर्खास्त किया, उन पर गैर-कानूनी तरीके से गर्भपात की

अनुमति देने का आरोप है। हरियाणा में यह खुला रहस्य है कि गर्भवती महिलाएं कन्या भ्रूण नष्ट करवाने पड़ोसी राज्य राजस्थान जाती हैं। (हरियाणा की सबसे खराब स्थिति वाले जिले गुरुग्राम व जींद हैं, जहां प्रति 1,000 लड़कों पर क्रमशः 863 और 872 लड़कियां हैं। मिजोरम के कोलासिब की वासी लालरेम्सियामी हमारजोटे ने महिला हॉकी फाइनल के 10वें मिनट में जीत दिलाने वाला गोल किया। झारखंड के सिमडेगा जिले के बड़कीचपार की रहने वाली सलीमा टेटे, खड़िया आदिवासी समुदाय से हैं और उन्होंने अपनी टीम की कप्तानी करते हुए शानदार जीत दिलाई। टेटे कहती हैं कि वह पूर्व महिला हॉकी कप्तान असुंटा



लकड़ा को अपना आदर्श मानती हैं, जिन्होंने जुलाई में हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह पर 'यौन उत्पीड़न और संस्थागत डराने-धमकाने' का आरोप लगाया था। सलीमा 'गोल्डन गर्ल्स' ने 44 साल में पहली बार गोल्ड मेडल जीता और 2028 ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की है।

शायद सबसे मुश्किल सवाल अभी भी उनसे नहीं पूछे जा रहे जो सत्ता में हिस्सेदारी करना नहीं चाहते - आप ऐसा क्यों नहीं करते? महिलाओं के बारे में ऐसा क्या है, जिससे आप इतना डरते हैं? सर्वविदित है, लिंगानुपात में दक्षिणी राज्यों में केरल सबसे आगे है (वहां जन्म के समय प्रति 1,000 पुरुषों पर 1,084 महिलाएं हैं), जबकि हरियाणा व पंजाब जैसे राज्यों में ये आंकड़ा कम है (क्रमशः प्रति 1,000 पुरुषों पर 898 व 924 महिलाएं), हालांकि इन तीनों राज्यों की आबादी करीब एक जैसी है 3 करोड़।

राजेंद्र शर्मा

मंच पर कलाकार दिखाई देता है, संगीत सुनाई देता है, नृत्य गति और भाव में आकार लेता है लेकिन इन सबके बीच एक ऐसी कला भी होती है, जो स्वयं अक्सर अदृश्य रहकर पूरी प्रस्तुति का दृश्य संसार रचती है। वह है प्रकाश-डिजाइन। संदीप दत्ता ने इसी अदृश्य कला को भारतीय प्रदर्शन-परंपरा में एक स्वतंत्र रचनात्मक अनुशासन का दर्जा दिलाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई है। उनके लिए प्रकाश मंच पर उजाला भरने की तकनीक नहीं, बल्कि कलाकार की अभिव्यक्ति, कथा, संगीत और भाव को दर्शक तक पहुंचाने वाली एक भाषा है। 1 मार्च 1970 को देहरादून में जन्मे संदीप दत्ता इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रशिक्षित हुए, लेकिन उनकी असली शिक्षा मंच के पीछे शुरू हुई। साल 1986 में दिल्ली आने के बाद उनकी मुलाकात प्रख्यात प्रकाश-डिजाइनर गौतम भट्टाचार्य से हुई।

यही मुलाकात आगे चलकर गुरु-शिष्य संबंध में बदल गई। 1991 से उन्होंने गौतम भट्टाचार्य के साथ शास्त्रीय संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियां देखनी शुरू कीं। गुरु ने उन्हें केवल प्रकाश चलाना नहीं सिखाया, बल्कि कलाकार की दृष्टि से मंच को देखना भी सिखाया। दत्ता ने लगभग सात वर्षों तक गुरु से सीखा और साथ-साथ मॉडर्न स्टेज सर्विस संस्था में तीन-चार वर्ष प्रशिक्षु के रूप में काम किया-कौन-सी लाइट कहां लगेगी, उसका कोण क्या होगा, रंग और तीव्रता कितनी होगी, संगीत के साथ प्रकाश कब उभरेगा और कब विलीन होगा— इन सबकी बारीकियां उन्होंने व्यावहारिक अनुभव से सीखीं। उस दौर में प्रकाश-डिजाइन को स्वतंत्र करियर के रूप में गंभीरता से लेने वाले लोग बहुत कम थे। आर.के. ढींगरा मॉडर्न स्टेज सर्विस के प्रमुख मार्गदर्शकों

रोशनी से निखारी सृजनात्मकता

में रहे हैं। गौतम भट्टाचार्य के बाद आरके ढींगरा दत्ता के दूसरे महत्वपूर्ण गुरु बने। दत्ता ने पारंपरिक प्रकाश-व्यवस्था की सूक्ष्मता गौतम भट्टाचार्य से और आधुनिक 'इंटेलिजेंट' लाइटिंग की संभावनाएं ढींगरा से सीखीं। बाद में इन दोनों धाराओं को अपने ढंग से मिलाना उनकी विशिष्ट शैली बना। 1998 में दत्ता को पहली स्वतंत्र बड़ी जिम्मेदारी मिली—भरतनाट्यम की वरिष्ठ कलाकार गीता चंद्रन की एकल प्रस्तुति के प्रकाश-डिजाइन की। इसके बाद भरतनाट्यम, कथक, ओडिसी, कुचिपुड़ी, संगीत और रंगमंच— लगभग हर प्रमुख प्रदर्शन-विधा के साथ उनका संबंध बना। उनके काम की असली पहचान तकनीकी दक्षता से अधिक उनकी कलादृष्टि है।

वे मानते हैं कि प्रकाश का पहला दायित्व कलाकार की अभिव्यक्ति को स्पष्ट करना है; सौंदर्य उसका अगला चरण है। ओडिसी की चर्चित नृत्यांगना रंजना गौहर ने एक बार उनसे कहा कि 'अभिनय' के दौरान उनकी आंखों में आंसू दिखाई देने चाहिए। दत्ता के लिए वह एक महत्वपूर्ण पाठ था नृत्य का प्रकाश नर्तक के भाव को देखे और उसे दर्शकों तक पहुंचाए। इसी तरह, भरतनाट्यम



की कलाकार गीता चंद्रन के 'रौद्र रस' वाले एक प्रसंग में उन्होंने सफेद रोशनी के बजाय गहरे एम्बर रंग और छाया का इस्तेमाल किया। परिणाम केवल सुंदर दृश्य नहीं था; भाव की तीव्रता कई गुना बढ़ गई। दत्ता की यही दृष्टि उन्हें 'लाइट ऑपरेटर' से 'लाइट आर्टिस्ट' बनाती है।

उनका आग्रह है कि प्रकाश-डिजाइनर को प्रस्तुति के अंतिम चरण में बुलाकर केवल तकनीकी काम नहीं सौंपा जाना चाहिए। कई महत्वपूर्ण प्रस्तुतियों में वे स्क्रिप्ट लिखे जाने के समय से ही प्रक्रिया का हिस्सा रहे हैं। कोरियोग्राफर, संगीतकार व प्रकाश-डिजाइनर के बीच शुरुआती संवाद उनके लिए प्रस्तुति की सफलता की शर्त है। एलईडी प्रकाश उपकरण, वायरलेस डीएमएक्स, गतिशील प्रकाश उपकरण, प्रोजेक्शन मैपिंग, मोडिया सर्वर और पिक्सेल नियंत्रण जैसी तकनीकों ने प्रकाश-डिजाइन की संभावनाओं का असाधारण रूप से विस्तार किया है। फिर भी दत्ता का मूल सिद्धांत नहीं बदला— तकनीक कथा और वातावरण को गहरा करे, कलाकार का स्थान न ले। संदीप दत्ता के पेशेवर अनुभव का विस्तार मंच से कहीं आगे तक है। पंडित बिरजू महाराज, सोनल

मानसिंह, राजा-राधा रेड्डी सहित अनेक शीर्ष कलाकारों की प्रस्तुतियों के प्रकाश-डिजाइन से लेकर जी-20 समिट, ईसीओ समिट और रूस के व्लादिवोस्तोक में आयोजित ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम समिट जैसे बड़े आयोजनों तक उनका काम पहुंचा है। विदेशों में आयोजित 'फेस्टिवल्स ऑफ इंडिया' में भी उन्होंने प्रकाश-डिजाइन किया है। भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद के लिए फ्रांस, जर्मनी, रूस और स्पेन सहित अनेक देशों में उन्होंने प्रकाश-डिजाइन किया। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के भारत और इंडोनेशिया से जुड़े कार्यक्रम भी उनके कार्यक्षेत्र का हिस्सा रहे हैं।

उनकी कार्यशैली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष संकट की घड़ी में रचनात्मक बने रहना है। आज भारतीय प्रदर्शन कलाएं विश्व के बड़े मंचों तक पहुंच रही हैं। ऐसे समय में प्रकाश-डिजाइन केवल मंचीय तकनीक नहीं, बल्कि भारतीय सौंदर्यबोध की वैश्विक दृश्य-भाषा का हिस्सा बन सकता है। दत्ता का मानना है कि चाहे बर्लिन हो, टोक्यो या न्यूयॉर्क— भारतीय नृत्य का दर्शक उसके आध्यात्मिक और सौंदर्यात्मक संसार से जुड़ सकता है, बशर्ते प्रकाश उसकी आत्मा को समझकर रचा जाए। इस दीर्घ साधना की राष्ट्रीय स्वीकृति उन्हें 2023 के संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार के रूप में मिली। उन्हें 'सहायक रंगमंच कला—प्रकाश डिजाइन' के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। संदीप दत्ता की सबसे बड़ी उपलब्धि शायद यही है कि उन्होंने रोशनी को मंच की 'पृष्ठभूमि' से निकालकर उसकी सृजनात्मक भाषा बनाया। उनके लिए कलाकार केंद्र में है और प्रकाश उसका सहचर। वे जानते हैं कि कभी पूरी रोशनी चाहिए, कभी केवल एक किरण; कभी रंग कथा कहता है और कभी छाया उससे अधिक बोलती है।



घर पर ही बनाएं काजू कतली

त्योहारों का सीजन कुछ ही दिनों में शुरू होने जा रहा है। ऐसे में बाजारों में इसकी धूम दिखाई देने लगी है। लोग खरीदारी से लेकर घर की साफ-सफाई में भी लग गए हैं। जब भी कोई त्योहार आता है, तो सबसे ज्यादा भीड़ मिठाईयों की दुकान पर देखने को मिलती है, क्योंकि त्योहारों पर लोग एक-दूसरे का मुंह मीठा कराते हैं। इस सीजन में कई दुकानों पर मिलावट वाली मिठाई मिलती है, जिसको खाकर तबियत खराब होने का डर रहता है। ऐसे में काजू कतली की मिठाई हर कोई खाना पसंद करता है। जो काफी महंगी आती है। लेकिन आप घर पर ही बिना मिलावट के काजू कतली बना सकते हैं।

मिलेगा एकदम बाजार जैसा स्वाद

काजू कतली बनाना काफी आसान है। इसे तैयार करने के लिए सबसे पहले आपको काजू का पाउडर तैयार करना है। काजू पाउडर बनाने के लिए पहले इसे अच्छी तरह से सुखा लें। सुखाने के बाद काजू को महीन पीस लें। इसे पूरी तरह से नहीं पीसें, वरना ये तेल छोड़ देगा। अब इसे साइड में रखकर एक कढ़ाई में 1/2 कप चीनी और

1/4

विधि

कप पानी डालकर धीमी आंच पर चीनी घुलने तक मिवस करें। चीनी पूरी तरह घुलने पर इसे थोड़ा और पकाएं ताकि यह एक तार की चाशनी बन जाए। चाशनी तैयार होने के बाद इसमें काजू का मिश्रण डालें। ध्यान रखें इसे आपको लगातार चलाना है, वरना ये जलने लगेगा। इसे तब तक पकाएं जब तक यह कढ़ाई के किनारों से अलग न होने लगे। जब इसका सही का पेस्ट तैयार हो जाए तो गैस बंद करके इसे थोड़ा ठंडा होने

सामान

काजू – 1 कप (200 ग्राम), चीनी– 1/2 कप (100 ग्राम), पानी – 1/4 कप, चांदी का वर्क।

दें। जब ये छूने लायक ठंडा हो जाए तो इसे हाथ से हल्का गूँथ लें। अब एक चिकनी सतह वाली ट्रे पर घी लगाकर मिश्रण को फैला दें। अच्छी तरह से फैलाने के बाद इसे डायमंड शेप में काट लें। आखिर में इसके ऊपर चांदी का वर्क लगा सकते हैं। तो बस आपकी काजू कतली तैयार है। त्योहारों के सीजन में इसका लुत्फ उठाएं।

उपवास में बनाएं फलाहारी स्नैक्स

11 अक्टूबर से नवरात्रि के पावन पर्व की शुरुआत हो चुकी है जिसका समापन 19 अक्टूबर को नवमी तिथि पर होगा। नौ दिवसीय इस पर्व में नवदुर्गा के स्वरूपों की पूजा होती है। इस दौरान भक्त उपवास करते हैं। अपनी धार्मिक मान्यताओं के आधार पर कुछ पहला और आखिरी तो कुछ 9 दिन व्रत रखते हैं। उपवास के दौरान नौ दिनों तक फलाहार किया जाता है। हालांकि नौ दिनों तक उपवास करने वाले शरीर की ऊर्जा के लिए कुछ ऐसी चीजों का सेवन कर सकते हैं जो फलाहारी हो, स्वादिष्ट हो और सेहत के लिए भी अच्छा हो। यहां नवरात्रि उपवास के नौ दिनों के लिए ऐसे फलाहारी नाश्ते की जरूरत पड़ती है। जिसे नौ दिनों तक स्टोर करके रख सकते हैं। नौ दिन में फलाहारी नाश्ता खराब नहीं होगा और हल्की भूख लगने पर खाया जा सकता है।



सामग्री

एक कप मूंगफली, एक कप बादाम, एक कप काजू, एक कप मखाना, आधा कप नारियल के पतले स्लाइस, दो-तीन हरी मिर्च, आधा चम्मच जीरा, आधा चम्मच सेंधा नमक, आधा चम्मच काली मिर्च, आधा चम्मच चीनी, एक चम्मच घी।

विधि

नमकीन बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कढ़ाही में घी गर्म करके उसमें मखाने, मूंगफली, बादाम और काजू भून लें। अब कढ़ाही में नारियल के पतले स्लाइस डालकर सुनहरा होने तक उन्हें अच्छी तरह से भूनते रहें। अब इस मिश्रण में किशमिश

डालकर हल्का भूनें और फिर ये सभी सामग्री कढ़ाही से बाहर निकाल लें। अब कढ़ाही में हल्का घी गर्म करके जीरा भूनें, और फिर बारिक कटी हरी मिर्च का तड़का लगाएं। फिर भुने हुए नट्स और मखाने मिलाएं। ऊपर से सेंधा

नमक स्वादानुसार, काली मिर्च और यदि चाहें तो चीनी डालकर मिला लें। इसे हल्की आंच पर थोड़ा अच्छी तरह से भून लें। और इस प्रकार फलाहारी नमकीन तैयार है। इसे ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में भरकर रख दें। व्रत या उपवास के दौरान इसका सेवन किया जा सकता है।



हंसना मना है

टीचर- एक औरत एक घंटे में 50 रोटि बना लेती है, तो तीन औरतें एक घंटे में कितनी रोटि बनाएंगी....बच्चा- एक भी नहीं, क्योंकि तीनों मिलकर सिर्फ चुगली करेंगी....! बच्चे की बात सुनकर टीचर बेहोश...

पप्पू जलेबी बेच रहा था, लेकिन कह रहा था, आलू ले लो आलू ले लो... राहगीर- लेकिन ये तो जलेबी हैं, पप्पू- चुप हो जा! वरना मक्खियां आ जाएंगी।

वकील - हत्या की रात तुम्हारे पति के अंतिम शब्द? पत्नी - मेरा चश्मा कहाँ है संगीता...? वकील - तो इसमें मारने वाली क्या बात थी...? पत्नी - मेरा नाम रंजना है! पूरा कोर्ट खामोश...

टीचर- लड़कियां अगर पराया धन होती है तो लड़के क्या होते हैं? गप्पू- सर चोर होते हैं! टीचर- वो कैसे? गप्पू- क्योंकि चोरों की नजर हमेशा पराये धन पर होती है।

कहानी

जैसे को तैसा

सीतापुरी गांव में जीर्णधन नाम का एक बनिया रहता था। उसका काम कुछ अच्छा नहीं चल रहा था, इसलिए उसने धन कमाने के लिए विदेश जाने का फैसला किया। उसके पास कुछ ज्यादा पैसे या कोई कीमती वस्तु नहीं थी। सिर्फ उसके पास एक लोहे का तराजू थी। उसने वो तराजू साहूकार को धरोहर के रूप में दे दिया और बदले में कुछ रुपये ले लिए। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि वह विदेश से लौटकर अपना उधार चुका कर तराजू वापस ले लेगा। जब दो साल बाद वह विदेश से लौटा, तो उसने साहूकार से अपना तराजू वापस मांगा। साहूकार बोला कि वो तराजू तो चूहों ने खा लिया। जीर्णधन समझ गया कि साहूकार की नियत खराब हो गई है और वह तराजू वापस करना नहीं चाहता। जीर्णधन ने साहूकार से कहा कि कोई बात नहीं अगर तराजू चूहों ने खा लिया है, तो इसमें तुम्हारी कोई गलती नहीं है। उसने कहा कि दोस्त मैं नदी में नहाने जा रहा हूँ। तुम अपने बेटे धनदेव को भी मेरे साथ भेज दो। वो भी मेरे साथ नहा आएगा। साहूकार, जीर्णधन के व्यवहार से बहुत खुश था, इसलिए उसने जीर्णधन को सज्जन पुरुष जानकर अपने बेटे को उसके साथ नहाने के लिए नदी पर भेज दिया। जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को नदी से कुछ दूर ले जाकर एक गुफा में बंद कर दिया। उसने गुफा के दरवाजे पर बड़ा-सा पत्थर रख दिया, जिससे साहूकार का बेटा बचकर भाग न पाए। साहूकार के बेटे को गुफा में बंद करके जीर्णधन वापस साहूकार के घर आ गया। उसे अकेला देखकर साहूकार ने पूछा कि मेरा बेटा कहाँ है। जीर्णधन बोला कि माफ करना दोस्त तुम्हारे बेटे को चील उठाकर ले गई है। साहूकार हैरान रह गया और बोला कि ये कैसे हो सकता है? चील इतने बड़े बच्चे को कैसे उठा ले जा सकती है? जीर्णधन बोला जैसे चूहे लोहे के तराजू को खा सकते हैं, वैसे ही चील भी बच्चे को उठाकर ले जा सकती है। अगर बच्चा चाहिए, तो तराजू लौटा दो। साहूकार को अवल आई। उसने जीर्णधन का तराजू वापस कर दिया और जीर्णधन ने साहूकार के बेटे को आजाद कर दिया।

7 अंतर खोजें



पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951



मेघ

कार्यक्षेत्र में आपके नेतृत्व की तारीफ होगी। व्यापार में लाभ का नया अवसर सामने आएगा। प्रेम संबंधों में मिठास बनी रहेगी। वित्तीय स्थिति पहले से बेहतर होगी।



वृषभ

कार्यस्थल पर धैर्य से काम लें, जल्दबाजी न करें। व्यापारिक सौदों में सावधानी जरूरी है। परिवार के सदस्यों की बात ध्यान से सुनें। बजट का ध्यान रखकर ही खर्च करें।



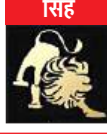
मिथुन

कार्यक्षेत्र में नए मुकाम हासिल करेंगे। व्यापार में योजनाबद्ध काम से लाभ होगा। दायित्व जीवन में सुख और शांति रहेगी। आय में वृद्धि के संकेत मिल रहे हैं।



कर्क

नौकरी में वरिष्ठ अधिकारियों का साथ मिलेगा। व्यापार में रुका हुआ धन वापस आ सकता है। पारिवारिक रिश्ते और मजबूत होंगे। धन संवय के प्रयास सफल रहेंगे।



सिंह

करियर में तरक्की की नई राहें खुलेंगी। व्यापार में बड़ा आर्थिक फायदा संभव है। प्रेम संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, रक्तर्तित रहेगी।



कन्या

काम में एकाग्रता बनाए रखना जरूरी है। व्यापारिक निर्णयों में वरिष्ठों की सलाह लें। परिवार में शांति और सामंजस्य रहेगा। आवक और जावक का संतुलन रखें।



तुला

कार्यस्थल पर प्रभाव और मान-सम्मान बढ़ेगा। व्यापार में नए साझेदार मिल सकते हैं। प्रेम जीवन में सुखद अनुभव होंगे। वित्तीय पक्ष काफी मजबूत रहेगा।



वृश्चिक

कार्यक्षेत्र में आपकी रणनीति काम आएगी। व्यापार में तगड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। धन लाभ की अच्छी संभावनाएं हैं।



धनु

रचनात्मक काम में मन लगेगा, सफलता मिलेगी। व्यापार में नए रास्ते खुलेंगे। संतान पक्ष से खुशी का समाचार मिलेगा। आय के नए साधन बनेंगे।



मकर

कार्यक्षेत्र में समय प्रबंधन बहुत जरूरी होगा। व्यापार में लिखापट्टी का ध्यान रखें। परिवार में सहयोग से बातें सुलझेंगी। अनावश्यक व्यय पर रोक लगाएं।



कुम्भ

आपकी बुद्धिमत्ता से काम आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में नए मौके सामने आएंगे। मित्रों के साथ बेहतरीन समय बीतेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।



मीन

वाणी की मधुरता से लाभ के योग बनेंगे। व्यापार में विस्तार की योजनाएं फलेंगी। परिवार में मांगलिक माहौल रहेगा। धन की बचत करने में सफल रहेंगे।



बॉलीवुड एक्ट्रेस विद्या बालन जल्द ही फिल्म जेलर 2 से तमिल सिनेमा में डेब्यू करने वाली हैं। इस फिल्म में वह रजनीकांत के साथ नजर आएंगी। हाल ही में विद्या बालन फिल्म के डायरेक्टर नेल्सन दिलीपकुमार और बाकी कलाकारों के साथ प्रमोशनल इवेंट में पहुंचीं। यहां उन्होंने बताया कि रजनीकांत के साथ शूटिंग करते समय वह काफी नर्वस हो गई थीं। जेलर 2 सुपर शो में विद्या के साथ उनकी को-स्टार राम्या कृष्णन, एसजे सूर्या और सूरज वेंजरायू भी मौजूद थे।

बातचीत के दौरान एसजे सूर्या ने मजाक में कहा कि विद्या को लंबे तमिल डायलॉग बोलने में परेशानी होती थी। इस पर विद्या ने बताया कि जब तक उनका शॉट पूरा नहीं हो जाता था, तब तक वह किसी से बात नहीं करती थीं। लेकिन शॉट खत्म होते ही वह सभी के साथ आराम से बातचीत करने लगती थीं। विद्या ने बताया कि एक बार नेल्सन ने

जेलर 2 में सिगरेट पीने वाले सीन को लेकर घबरा गई थीं विद्या बालन



उनके लिए एक सीन में बदलाव किया था, जिसमें उन्हें सिगरेट पीनी थी। अभिनेत्री ने कहा, एक दिन शूटिंग से ठीक पहले उन्होंने मुझे डेढ़ पेज के नए डायलॉग दे दिए। मैं वहीं खड़ी सोच रही थी कि ये सब कैसे करूंगी, क्योंकि मुझे डायलॉग बोलने के साथ सिगरेट भी पीनी थी।

डायरेक्टर ने सुनाया किस्सा

इस पर नेल्सन ने बताया, जब मैं मॉनिटर पर देख रहा था, तो मैंने देखा कि उनके हाथ कांप रहे थे और आवाज भी कांप रही थी। कुछ देर बाद सिगरेट का धुआं उनकी आंखों में जाने

लगा। विद्या ने मुझसे कहा कि मैं कुछ नहीं कर रही हूँ, सिगरेट अपने आप कांप रही है।

क्यों घबरा गई थीं विद्या बालन?

विद्या ने आगे बताया कि वह पहले भी कई बड़े सुपरस्टार्स के साथ काम कर चुकी हैं, लेकिन रजनीकांत के साथ यह उनकी पहली फिल्म है। उन्होंने कहा कि सिगरेट पीने वाले सीन को लेकर वह इतनी घबरा गई थी कि उनका पूरा शरीर कांपने लगा था। शूटिंग से पहले सिगरेट पीने की आदत डालने के लिए उन्होंने सेट पर जाने से पहले ही इसकी प्रैक्टिस शुरू कर दी थी।

जेलर 2 में कौन-सा किरदार निभा रही हैं विद्या?

जेलर 2 में विद्या बालन कथा का किरदार निभा रही हैं। फिल्म में उनके किरदार की पहली झलक में वह नीली साड़ी पहने, हाथ में सिगरेट लिए सीढ़ियों से नीचे उतरती नजर आती हैं। एक तनावपूर्ण सीन में वह किसी के सामने खड़े होकर धुआं छोड़ती दिखाई देती हैं।

जेलर 2 में कौन आएगा नजर?

नेल्सन के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सन पिक्चर्स के बैनर तले कलानिधि मारन प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म साल 2023 में आई जेलर का सीकल है, जिसमें रजनीकांत और राम्या कृष्णन मुख्य भूमिका में थे। दूसरे पार्ट में दोनों एक बार फिर पति-पत्नी टाइगर मुथुवेल पांडियन और विजया पांडियन के किरदार में नजर आएंगे। योगी बाबू, मिर्ना और ऋतिक भी अपने पुराने किरदारों में वापसी करेंगे।

कॉफी विद करण के आखिरी सीजन के पहले गेस्ट होंगे सलमान खान

करण जौहर ने कुछ समय पहले ही अनाउंस किया था कि वो कॉफी विद करण का आखिरी सीजन होस्ट करने वाले हैं। उनके शो का 9वां टॉक सीजन 14 अक्टूबर 2026 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने जा रहा है। वहीं अब शो से पहले गेस्ट का नाम भी सामने आ गया है। सलमान खान लगभग एक दशक बाद कॉफी विद करण में वापसी कर रहे हैं। और शो के नौवें सीजन के नए प्रोमो में करण जौहर के साथ वो मजेदार बातचीत करते नजर आए। बॉलीवुड सुपरस्टार लोकप्रिय सेलिब्रिटी चैट शो के अंतिम सीजन के पहले मेहमान होंगे। ये शो काफी दमदार होने वाला है जहां सलमान अपने ह्यूमर से इसमें मजेदार तड़का लगाते नजर आएंगे। प्रोमो में करण कहते हैं, ये सीजन कहीं भी जा सकता है। सलमान जवाब देते हैं, जा ही जा सकता है। ये तो गया है, गया है। प्रोमो शेयर करते हुए मेकर्स ने लिखा- एक आखिरी बार, जाते जाते भाई के साथ कॉफी। सोशल मीडिया पर प्रोमो शेयर होने के तुरंत बाद, एक फैन ने कमेंट किया, वाह! बढ़िया इंसान की वापसी हो रही है। दूसरे ने लिखा, ओह माय गॉड, इंतजार नहीं हो रहा, भाई वापस आ रहे हैं। बता दें कि सलमान इससे पहले भी दो बार कॉफी विद करण पर आ चुके हैं। पहली बार वो साल



2013 में सीजन 4 में नजर आए थे। इसमें वो अपने पिता सलीम खान के साथ नजर आए थे। इसके बाद 2016 में कॉफी विद करण के सीजन 5 में अपने भाई अरबाज खान और सोहेल खान के साथ नजर आए थे। यह शो का 100वां एपिसोड था और इसमें एक्टर के पिछले अपीयरेंस के कई यादगार पलों को फिर से दिखाया गया था। सीजन 4 के दौरान, सलमान ने यह कहकर सुर्खियां बटोरी थीं कि वह अभी भी वर्जिन हैं। जब करण ने बाद में उनके इस बयान का जिक्र किया, तो एक्टर ने कहा कि स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है।

अरिजीत सिंह के कॉन्सर्ट की शुरू हुई सेल, लाखों में है टिकट

प्लेबैक सिंगिंग से ब्रेक ले चुके सिंगर अरिजीत सिंह साल 2027 की शुरुआत धमाकेदार अंदाज में करने वाले हैं। उन्होंने कुछ ही समय पहले अपना इंडिया टूर का ऐलान किया, जिसमें वो हर बड़े शहर में जाकर अपना कॉन्सर्ट करेंगे। अरिजीत ने अपने कॉन्सर्ट की जनरल सेल शुरू कर दी है। अरिजीत इस टूर के जरिए अपने म्यूजिक करियर के 20 साल पूरे होने का जश्न मनाएंगे। ये टूर जनवरी से मई 2027



के बीच होगा। दिल्ली, मुंबई, अहमदाबाद समेत 9 शहरों में ये शो होना है, जिसकी टिकट सेल अब शुरू हो गई है। अरिजीत सिंह का मुंबई कॉन्सर्ट 20 फरवरी 2027 को महालक्ष्मी रेसकोर्स में होगा। लेकिन इस कॉन्सर्ट की टिकटों की कीमतें ऐसी हैं कि देखकर आप हैरान हो जाएंगे। यहां सबसे सस्ती टिकट 3,999 रुपये की है, जबकि सबसे महंगे पैकेज की कीमत 11.80 लाख रुपये रखी गई है।

शाहरुख खान स्टारर किंग इस दिसंबर बड़े पर्दे पर रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच, दिग्गज ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श ने शाहरुख खान के स्टारडम और फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद के कॉम्बिनेशन को लेकर अपनी बात रखी है। विजनीरी डायरेक्टर सिद्धार्थ आनंद द्वारा डायरेक्टेड शाहरुख खान स्टारर मच एंटीसिपेटेड एक्शन से भरपूर फिल्म किंग सुपरस्टार द्वारा लीड किए जाने वाले स्टेलर कास्ट के साथ आती है। यह फिल्म 24 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। ऐसे में दर्शक इसे देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर हैं। शाहरुख को लेकर उत्साह का माहौल हर तरफ देखने मिल रहा है, ऐसे में दिग्गज ट्रेड एक्सपर्ट और फिल्म क्रिटिक तरण आदर्श ने बॉलीवुड हंगामा के साथ बातचीत में कहा, शाहरुख खान की कोई तुलना नहीं की जा सकती। आप शाहरुख खान की फैन फॉलोइंग उस दिन देखेंगे जब उनकी यह फिल्म रिलीज होगी। आगे उन्होंने बताया है कि दर्शक इस



बॉक्स ऑफिस पर एक नया रिकॉर्ड बनाएगी शाहरुख खान की 'किंग'

प्रोजेक्ट से किस तरह की उम्मीद कर सकते हैं। सुपरस्टार के नाम के साथ मास्टर क्राफ्ट्समेन सिद्धार्थ आनंद का साथ आना इस बात की गारंटी देता है कि थिएटर में शानदार नजारा देखने मिलने वाला है। इस बारे में बात करते हुए तरण आदर्श

कहते हैं, किंग के साथ शाहरुख खान का नाम जुड़ा है, जो अपने आप में अच्छी फिल्म की पहचान है। आप जानते हैं कि पर्दे पर कुछ बड़ा और शानदार देखने को मिलेगा। वह सिद्धार्थ आनंद के साथ वापसी कर रहे हैं। मुझे पता है कि यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर एक नया रिकॉर्ड बनाएगी। लोग भले ही किसी भी एक्टर के फैन हों, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वे 'किंग' देखने जरूर जाएंगे।

लगातार इंडियन सिनेमा को एक अलग पहचान देने वाले एक बेमिसाल करियर के साथ, शाहरुख खान का दर्शकों के साथ हमेशा बने रहना एक बार फिर इस बात का सबूत है कि उनकी स्टार पावर का कोई मुकाबला नहीं है और किंग के साथ वो एक और बड़ी और शानदार फिल्म देने के लिए तैयार हैं।

ऋचा ने प्रदर्शनकारियों को चेहरा छिपाने के लिए बताया मेकअप

ऋचा चड्ढा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों पर अपनी बात रखी है। उन्होंने एक मेकअप ट्यूटोरियल शेयर किया है, जिसके बारे में उनका कहना है कि इससे प्रदर्शनकारियों को फेशियल रिकग्निशन कैमरों से बचने में मदद मिल सकती है। एक्स पर यह विलप पोस्ट की और दावा किया कि प्रदर्शनकारियों की बिना उनकी सहमति के वीडियो रिकॉर्डिंग की जा रही है। ये प्रदर्शन वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन में कथित गड़बड़ियों को लेकर हो रहे हैं और प्रदर्शनकारी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं। दिल्ली में कड़ी सुरक्षा और लोगों को

हिरासत में लिए जाने की खबरों के बीच, ऋचा चड्ढा ने प्रदर्शन में शामिल होने वाले लोगों से सावधान, शांतिपूर्ण और तैयार रहने की अपील की है। एक्स पर वीडियो शेयर करते हुए ऋचा ने लिखा, प्यारे प्रदर्शनकारियों, क्योंकि आपकी बिना मर्जी के वीडियो बनाए जा रहे हैं, इसलिए सर्विलांस/ फेशियल रिकग्निशन कैमरों से बचने के लिए मेकअप का इस्तेमाल करने की कोशिश करें।



बाढ़ का पानी उतरा, अब बीमारियों का खतरा

» नगर आयुक्त की निगरानी में राहत के बाद सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा पर जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बाढ़ का पानी उतरने के बाद फैजुल्लागंज में लोगों को राहत तो मिली है, लेकिन अब गंदगी और मच्छरजनित बीमारियों का खतरा नई चुनौती बनकर सामने है। ऐसे में लखनऊ नगर निगम ने प्रभावित इलाकों में सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा अभियान तेज कर दिया है। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर अधिकारी और कर्मचारी मैदान में उतरकर व्यवस्थाएं दुरुस्त करने में जुटे हैं। अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता और जोनल अधिकारी अजीत राय की निगरानी में मिलित नगर, दारुद नगर समेत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सफाई, नालियों की सफाई, कीचड़ हटाने और एंटी लार्वा छिड़काव का काम कराया जा रहा है।

बाढ़ के दौरान प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने से लेकर पानी उतरने के बाद सामान्य जनजीवन बहाल करने तक नगर निगम की जिम्मेदारी लगातार बनी हुई है। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने मंगलवार को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर मौके पर चल रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में जलस्तर कम हो चुका है, वहां मड पंप के माध्यम से डीसिल्टिंग कराई जाए।

डर के साये में आम लोग, फैजुल्लागंज में दिन-रात डटा नगर निगम



बाढ़ के बाद संक्रमण को रोकना प्राथमिकता

बाढ़ का पानी उतरने के बाद प्रभावित क्षेत्रों में जमा गंदगी और रुके हुए पानी से मच्छरों के पनपने की आशंका रहती है। ऐसे में डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रमणों की रोकथाम के लिए सफाई, एंटी लार्वा छिड़काव और फॉगिंग जैसे उपाय महत्वपूर्ण हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार ने अधिकारियों को उपलब्ध संसाधनों और मानवबल का प्रभावी उपयोग करते हुए सफाई कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मड पंप से डीसिल्टिंग, नालियों की सफाई, कीचड़ हटाने और दवा छिड़काव पर विशेष जोर दिया जा रहा है। फैजुल्लागंज में अब चुनौती केवल बाढ़ के पानी से राहत दिलाने की नहीं, बल्कि प्रभावित इलाकों को साफ-सुथरा बनाकर जनजीवन सामान्य करने की भी है। नगर निगम का अभियान इसी दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सड़कों, गलियों और नालियों में जमा मिट्टी, कीचड़ और गंदगी को प्राथमिकता से हटाया जाए, ताकि लोगों को जल्द राहत मिल सके। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में सफाई अभियान को व्यवस्थित बनाने के लिए नगर निगम ने जीआईएस मैपिंग के आधार पर कार्ययोजना तैयार की है।

जोन-3 और जोन-6 के प्रभावित इलाकों को अलग-अलग सेक्टरों में बांटकर अधिकारियों, सुपरवाइजर्स और सफाई कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय की गई है। इंजीनियरिंग, स्वास्थ्य और जलकल विभाग के बीच समन्वय बनाकर कार्य कराए जा रहे हैं। जरूरत के अनुसार अन्य



अधिकारियों ने संभाला मोर्चा

फैजुल्लागंज के बाढ़ प्रभावित इलाकों में सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा व्यवस्था को पटरी पर लाने के लिए नगर निगम के अधिकारी लगातार प्रयास कर रहे हैं। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देशन में अपर नगर आयुक्त अरुण कुमार गुप्ता और जोनल अधिकारी अजीत राय की निगरानी में अभियान संचालित किया जा रहा है। प्रभावित इलाकों में केवल सड़कों की सफाई ही नहीं, बल्कि नालियों से गाद निकालने, जमा कीचड़ हटाने और मच्छरों के प्रजनन को रोकने के उपायों पर भी ध्यान दिया जा रहा है। जलस्तर घटने के साथ अलग-अलग क्षेत्रों में जरूरत के अनुसार सफाई टीमों को लगाया जा रहा है, जिससे लोगों को जल्द सामान्य परिस्थितियां मिल सकें।

जोनों से अतिरिक्त मानवबल जुटाने के साथ एलएसए और एलएसजी के कर्मचारियों की सेवाएं लेने की भी व्यवस्था की गई है। इसका उद्देश्य प्रभावित गलियों में सफाई और स्वास्थ्य सुरक्षा संबंधी कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करना है।

ड्रेन से छिड़काव, दुर्गम स्थानों तक पहुंची दवा

बाढ़ के बाद मच्छरों के पनपने की आशंका को देखते हुए नगर निगम ने एंटी लार्वा छिड़काव के लिए ड्रेन तकनीक का इस्तेमाल किया है। निगम के अनुसार, जोन-3 और जोन-6 में अब तक कुल 80 एकड़ क्षेत्र में ड्रेन के माध्यम



सेक्टरवार तय हुई जिम्मेदारी

से एंटी लार्वा का छिड़काव कराया गया है। इस तकनीक से उन स्थानों तक भी दवा पहुंचाने में मदद मिल रही है, जहां सामान्य तरीके से छिड़काव करना कठिन है। जोन-3 के फैजुल्लागंज क्षेत्र में लोहरागऊ, पतंग मैदान, गणेश बाग, सन्मत् विहार और मिलित नगर में ड्रेन से दवा का छिड़काव कराया गया। पैला रोड पर टैकर की सहायता से एंटी लार्वा का छिड़काव किया गया। वहीं, दारुद नगर की 60 फीट रोड पर सोडियम हाइपोक्लोराइट और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करने के साथ सफाई और झाड़ियों की कटाई भी कराई गई।

शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने की कोशिश कर रही सरकार : कुणाल

» टीएमसी ने चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध रैली निकाली

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने मुख्य चुनाव अधिकारी ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयोग के खिलाफ विरोध रैली निकाली। प्रदर्शनकारियों ने वोट चोर, गद्दी चोर जैसे नारे लगाए। तृणमूल कांग्रेस नेता कुणाल घोष ने भारतीय जनता पार्टी पर निशाना साधा और प्रशासन पर आरोप लगाया कि उसने कोलकाता के कई इलाकों में पुलिस और केंद्रीय बलों को तैनात करके शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन को दबाने की कोशिश की। घोष ने दावा किया कि टीएमसी के युवा और छात्र विंग ने मुख्य चुनाव आयुक्त -सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ शांतिपूर्ण प्रदर्शन का आयोजन किया था, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने लोगों को इकट्ठा होने से रोकने के लिए रास्ते बंद कर दिए।

घोष ने बताया ममता दीदी के नेतृत्व में हमारे छात्र और युवा विंग ने यहां ज्ञानेश कुमार के खिलाफ पूरी तरह से शांतिपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्होंने पहले ही ईमेल के जरिए पुलिस को इसकी सूचना दे दी थी। हालांकि, आज सुबह से ही पुलिस और केंद्रीय बलों ने पूरा रास्ता बंद कर दिया है। टीएमसी नेता ने आरोप लगाया कि प्रदर्शन स्थल की ओर जा रहे समर्थकों को शहर के कई हिस्सों में रोका गया। घोष ने कहा जो लोग यहां आना चाहते हैं, उन्हें पूरे इलाके में रोका जा रहा है, जिसमें उत्तरी और मध्य कोलकाता शामिल हैं। हमारा यहां का कार्यक्रम पूरी तरह से शांतिपूर्ण है। हम ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं और भाजपा को इससे तकलीफ हो रही है। चुनाव आयोग प्रमुख पर गंभीर आरोप लगाते हुए घोष ने कहा, भाजपा को तकलीफ क्यों हो रही है? क्योंकि ज्ञानेश कुमार ने भाजपा को अनुचित लाभ पहुंचाने के लिए वोटों में धांधली की और उन्हें चुराया।

पैसों की भूख ने बहनों को बना दिया इनामी!

» श्रद्धा दुबे पर बेटे की हत्या और ब्लैकमेलिंग का मां ने लगाया आरोप

» शिवा शर्मा हत्याकांड में श्रद्धा दुबे, बहन रश्मि और ड्राइवर दानिश पर 25-25 हजार का इनाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मोहब्बत, दौलत और शोहरत के बीच उलझी शिवा शर्मा की मौत की कहानी अब हत्या के मुकदमे और तीन आरोपियों पर घोषित 75 हजार रुपये के इनाम तक पहुंच गई है। जिस श्रद्धा दुबे के साथ शिवा ने जिंदगी बिताने का रिश्ता जोड़ा था, उसी पर अब मृतक की मां रंजना शर्मा ने अपने बेटे को ब्लैकमेल करने, प्रताड़ित करने और हत्या किए जाने का गंभीर आरोप लगाया है।



मामले में लखनऊ हजरतगंज पुलिस के उपायुक्त ने श्रद्धा दुबे, उसकी बहन रश्मि दुबे और ड्राइवर तनवीर अली उर्फ दानिश पर अलग-अलग 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। तीनों दर्ज हत्या के मुकदमे में वांछित हैं। मां रंजना शर्मा ने आरोप लगाया है कि श्रद्धा दुबे उनके बेटे को पिछले कई महीनों से ब्लैकमेल कर रही थी। कथित तौर पर निजी वीडियो वायरल करने, बदनाम

मां मांग रही इंसाफ, पुलिस के सामने कई सवाल

शिवा शर्मा की मौत के बाद मां रंजना शर्मा लगातार क्याय की मांग कर रही हैं। उनका आरोप है कि उनके बेटे को ब्लैकमेल किया गया और उसकी हत्या की गई। अब पुलिस के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर अवध गौन अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर उस दिन क्या हुआ था? शिवा किन परिस्थितियों में नीचे गिरा? घटना के समय वहां मौजूद लोगों की क्या भूमिका थी?

करने और दोबारा जेल भिजवाने की धमकियां दी जाती थीं। रंजना शर्मा के मुताबिक, श्रद्धा अपने प्रभावशाली संपर्कों का हवाला देकर शिवा पर दबाव बनाती थी। बेटे के शरीर पर चोटों के निशान दिखाई देने पर जब वह पूछती थीं तो शिवा बात टाल देता था। मां ने अपने बेटे की मौत को सामान्य हादसा मानने से इनकार करते हुए हत्या की आशंका जताई है। उनका आरोप है कि शिवा को लगातार मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित किया जा रहा था।

सीएम नायडू भ्रष्टाचार और कानून तोड़ने को बढ़ावा दे रहे हैं : भूमाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। वाईएसआरसीपी के राज्य प्रवक्ता भूमाना करुणाकर रेड्डी ने कहा कि चंद्रबाबू नायडू की सुरक्षा ने टीडीपी के प्रतिनिधियों, कार्यकर्ताओं और वरिष्ठ अधिकारियों को भ्रष्टाचार और कानून तोड़ने के लिए बढ़ावा दिया है, वे पड़ोसी राज्यों में भी गलत काम कर रहे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के चुनाव क्षेत्र में कुप्पम एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर और आईएएस अधिकारी विकास मरमत का उदाहरण दिया।

भूमाना ने कहा मरमत बेंगलुरु के कावोर बार और रेस्तरां में नशे में धुत हो गए, उन्होंने ग्राहकों और जांच के लिए आए पुलिस अधिकारियों पर हमला किया और भदी गालियां दीं। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों से मिसाल कायम करने की उम्मीद की जाती है, वे गुंडों से भी बुरा व्यवहार कर रहे हैं, क्योंकि उन्हें भरोसा है कि चंद्रबाबू उन्हें बचा लेंगे।

सीरीज में अजेय बढ़त हासिल करने उतरेगा भारत

» वेस्टइंडीज से चौथा टी20 मैच आज, कुलदीप को फिर बैठना पड़ सकता है बाहर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। शानदार फॉर्म में चल रहे भारतीय बल्लेबाज वेस्टइंडीज के खिलाफ बुधवार को होने वाले चौथे टी20 मैच में लय को बरकरार रखते हुए शानदार जीत के साथ सीरीज अपने नाम करना चाहेंगे। इस मैच में सबसे ज्यादा ध्यान इस बात पर रहेगा कि टीम प्रबंधन कुलदीप यादव की प्लेइंग-11 में वापसी करता है या नहीं। वहीं, अब तक एकादश से बाहर चल रहे वैभव सूर्यवंशी पर भी नजरें रहेंगी। भारत इस समय सीरीज में 2-1 से आगे है और उसे सीरीज अपने नाम करने के लिए बस एक जीत की जरूरत है।

वहीं, पिछले मैच में करारी हार के बाद वेस्टइंडीज वापसी करके सीरीज में बने रहने की कोशिश में होगा। एक बार फिर मैच का रूख दोनों टीमों के पावर हिट्स पर निर्भर करेगा। भारत के शीर्षक्रम के बल्लेबाज संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन ने अब तक शानदार प्रदर्शन किया है जिससे सीरीज में अभी तक भारतीय मध्यक्रम पर अधिक दबाव नहीं बना



है। भारत के लिए चिंता का एकमात्र कारण शीर्षक्रम के शानदार फॉर्म के कारण मध्यक्रम के बल्लेबाजों को अधिक अभ्यास नहीं मिल पाना है। शीर्ष तीन के नाकाम रहने पर तिलक वर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी और नमन धीर को जिम्मेदारी संचालनी होगी खासकर जब लक्ष्य बड़ा हो। दूसरी ओर वेस्टइंडीज के लिए चुनौती भारतीय रनगति पर अंकुश लगाने की होगी। कप्तान श्रेयस अय्यर ने पहले टी20 में शतक लगाया था, जबकि दूसरे मैच में सैमसन और ईशान ने बड़ी पारियां खेली

डब्ल्यूटीसी अंक तालिका में भारत पांचवें स्थान पर

इरबन। ऑस्ट्रेलिया ने पहले टेस्ट मैच में दक्षिण अफ्रीका को हरा दिया है। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में पहले स्थान पर अपनी स्थिति को और मजबूत कर लिया है। हार के साथ दक्षिण अफ्रीका की टीम दूसरे नंबर की पोजीशन गांवा बैठी है। अब तीसरे पायदान पर खिसक गई है। न्यूजीलैंड डब्ल्यूटीसी टेबल में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। बांग्लादेश छह मैचों में 55.56 के जीत प्रतिशत के साथ चौथे स्थान पर है, जिसमें तीन जीत, दो हार और एक ड्रॉ मैच शामिल है। भारत अभी पांचवें स्थान पर है। टीम ने 11 मैचों में से पांच जीतें हैं, चार हारें हैं और दो मैच ड्रॉ रहे हैं, जिससे उनका जीत प्रतिशत 51.52 है। इंग्लैंड छठे स्थान पर है। श्रीलंका सातवें स्थान पर है। जबकि वेस्टइंडीज आठवें स्थान पर काबिज है। पाकिस्तान सबसे निचले स्थान पर है। टीम ने 9 मैचों में दो जीत और सात हार का सामना किया है। पाकिस्तान का जीत प्रतिशत सिर्फ 4.63 है।

हालांकि यह मैच वेस्टइंडीज ने जीता। तीसरे मैच में अभिषेक का दबदबा रहा।

शाह के बयान के बाद मचा सियासी घमासान

शिवसेना यूबीटी बोली-29 तक न तो मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे और न ही शाह केंद्रीय गृहमंत्री रहेंगे

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। शाह के बयान के बाद सियासी घमासान मच गया है। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला है। संजय राउत ने बुधवार को दावा किया कि 2029 तक न तो नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री रहेंगे और न ही अमित शाह केंद्रीय गृह मंत्री रहेंगे।

राउत की यह टिप्पणी गृह मंत्री अमित शाह के उस दावे के जवाब में आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस (एनडीए) 2029 के लोकसभा चुनावों में फिर से जीत हासिल करेगा। राउत ने पत्रकारों से कहा, अमित शाह 2029 तक



गृहमंत्री नहीं रहेंगे। मैंने यह बार-बार कहा है। मोदी भी प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, हम यह

भी कह रहे हैं। वे अंदर से यह बात जानते हैं, इसलिए वे निराशा, विफलता और

जो कोई भी भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देता, वह घुसपैठिया है

गृहमंत्री की बातों पर सीधा कटाक्ष करते हुए राउत ने कहा, अमित शाह के लिए घुसपैठियों की परिभाषा बस इतनी है- जो कोई भी भारतीय जनता पार्टी को वोट नहीं देता, वह घुसपैठिया है। 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद सीसीटीवी कैमरों और चुनाव आयुक्तों को दी गई कानूनी सुरक्षा के नियमों के बारे में पूछने पर राउत ने आरोप लगाया कि ये कदम भ्रष्ट तौर-तरीकों को बचाने के लिए उठाए गए थे। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह चुनाव आयुक्त के लिए सुरक्षा नहीं है, यह उन माफियाओं को दी जा रही सुरक्षा है जो भारतीय जनता पार्टी के चुनावी घोटालों में मदद करते हैं।

मायूसी से जूझ रहे हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के उस बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए

(जिसमें उन्होंने कहा था कि वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेसिव रिविजन (एसआईआर) का विपक्ष द्वारा विरोध करना अवैध घुसपैठियों को बचाने की कोशिश है) राउत ने पूछा कि क्या असली भारतीय नागरिक, जिनके नाम हटा दिए गए थे, उन्हें भी घुसपैठिया माना जा रहा है।

राउत ने कहा, क्या मैं घुसपैठिया हूँ? पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी (जिनका नाम हटा दिया गया था) क्या वे घुसपैठिया हैं? कई सैनिकों, पूर्व सैनिकों और अधिकारियों के नाम हटा दिए गए, क्या वे घुसपैठिए हैं? अमित शाह को इसका जवाब देना चाहिए।

चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर, भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व चुप क्यों: प्रियांक खरगे

» कर्नाटक के मंत्री बोले- पहले से भरे हुए फॉर्म-7 का व फॉर्म-6 में किए गए बदलावों पर जवाब दें सीईसी व पीएम

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के मंत्री प्रियांक खरगे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर अपना हमला तेज़ करते हुए केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की कड़ी आलोचना की। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर के गंभीर आरोप लगाते हुए शीर्ष संवैधानिक और राजनीतिक नेतृत्व की चुप्पी पर सवाल उठाए।

बेंगलुरु में मीडिया से बात करते हुए खरगे ने आरोप लगाया कि अहम लोग गायब हैं और केंद्रीय नेतृत्व की जवाबदेही पर सवाल उठाए। खरगे ने कहा कि सीईसी-मुख्य चुनाव आयुक्त गायब हैं। गृह मंत्री गायब हैं। मोदी जी गायब हैं। पहले उनसे



कहिए कि उन्हें दूँ। मंत्री ने वोटर रजिस्ट्रेशन प्रोसेस को लेकर सीईसी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी के पास पहले से भरे हुए फॉर्म 7 का क्या जवाब है? फॉर्म 6 में किए गए बदलावों पर उनका क्या कहना है? वे बेवकूफों का झुंड हैं जो बस नैरेटिव बदलने की कोशिश कर रहे हैं। खरगे ने भाजपा के अंदरूनी पदानुक्रम और राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरों के

मैनेजमेंट के तरीके पर भी तीखा कटाक्ष किया। मंत्री ने कहा, जब पीएम मोदी आते हैं, तो उनके विधायकों को सड़कों पर बैरिकेड्स के पीछे खड़ा करके झंडे लहराने को कहा जाता है। मंत्रियों को बैरिकेड्स के पीछे खड़ा करके उनके चीयरलीडर्स जैसा व्यवहार करने पर मजबूर किया जाता है। ये सभी बेवकूफी भरी हरकतें सिर्फ भाजपा ही सोच सकती है। कांग्रेस नेता की इन टिप्पणियों को राज्य में प्रशासनिक और राजनीतिक मुद्दों पर भाजपा को घेरने की एक नई कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है। भाजपा ने अभी तक इन खास आरोपों पर कोई औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि दिल्ली में इंडिया गठबंधन द्वारा किया गया विशाल विरोध प्रदर्शन केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के अंत की शुरुआत का संकेत है।

मप्र में शराब घोटाले पर सियासी बवाल

» कांग्रेस ने भाजपा को घेरा, पीएम से निष्पक्ष जांच की मांग

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। कभी दिल्ली की आप सरकार पर शराब घोटाले के नाम पर हमलावर रहने वाली भाजपा अपनी ही मप्र की सरकार पर मौन। उधर इस घोटाले को लेकर राज्य में सियासी बवाल मच गया है। कांग्रेस ने मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा से जुड़े एक मामले को लेकर बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इसकी निष्पक्ष जांच करवानी चाहिए।



पार्टी नेता जयराम रमेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि मध्य प्रदेश में जमीन से जुड़े कथित घोटाले के बाद अब शराब से जुड़ा कथित घोटाला सामने आया

उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा पर उठाए सवाल

‘हम दो, हमारे दो’ से प्रेरित होकर भ्रष्टाचार में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही

रमेश ने आरोप लगाया, 'भाजपा की प्रदेश सरकारें भी 'हम दो, हमारे दो' से प्रेरित होकर भ्रष्टाचार में नए कीर्तिमान स्थापित कर रही हैं।' कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी की मध्य प्रदेश इकाई के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने इस विषय पर प्रधानमंत्री से सात सवाल पूछे हैं। रमेश ने कहा, 'अगर प्रधानमंत्री का इस भ्रष्टाचार को संरक्षण नहीं है तो उन्हें जरूर जांच करवानी चाहिए। सवाल यह है कि क्या वे निष्पक्ष जांच करवाएंगे?' उन्होंने यह भी दावा किया कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और मौजूदा केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी राज्य सरकार की आलोचना की है।

है। उन्होंने जिस खबर और मध्य प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी के जिस पोस्ट का उल्लेख किया उसमें दावा किया गया कि देवड़ा के पूर्व ओएसडी के खिलाफ कथित शराब घोटाले की जांच में कई गड़बड़ियां सामने आई हैं।

पूर्व प्रमुख सचिव योगेश कुमार गिरफ्तार

2014 के पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती घोटाले में बड़ी कार्रवाई

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पशुपालन विभाग में वर्ष 2014 में हुए बहुचर्चित पशुधन प्रसार अधिकारी भर्ती घोटाले में आर्थिक अपराध अनुसंधान संगठन (ईओडब्ल्यू) ने बड़ी कार्रवाई की है। ईओडब्ल्यू की टीम ने बुधवार, 14 अक्टूबर को तत्कालीन प्रमुख सचिव एवं 1980 बैच के सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी योगेश कुमार को लखनऊ के गोमतीनगर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया।

उन पर भर्ती प्रक्रिया में निर्धारित नियमों की अनदेखी कर ओएमआर शीट के मूल्यांकन और मेरिट सूची तैयार करने में अनियमितताओं के आरोप हैं। वर्ष 2014 में शासन ने पशुपालन विभाग के अंतर्गत सहारनपुर मंडल को छोड़कर प्रदेश के 17 मंडलों में पशुधन प्रसार अधिकारी के 1,198 रिक्त पदों पर भर्ती की स्वीकृति दी थी। इसके लिए 2 फरवरी 2014 को लिखित परीक्षा आयोजित की गई थी। आरोप है कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान उत्तर प्रदेश पशुधन प्रसार एवं कुक्कुट विकास सेवा नियमावली-2002 तथा संशोधित नियमावली-2013 के प्रावधानों का पालन

2017 में एसआईटी जांच 2019 में दर्ज हुआ मुकदमा

भर्ती प्रक्रिया में सामने आई अनियमितताओं को लेकर शासन ने वर्ष 2017 में विशेष जांच दल (एसआईटी) को जांच सौंपी थी। जांच के बाद वर्ष 2019 में थाना एसआईटी में मुकदमा अपराध संख्या 01/2019 दर्ज किया गया।

नहीं किया गया। ओएमआर शीट के मूल्यांकन से लेकर मेरिट सूची तैयार करने तक गंभीर अनियमितताएं बरती गईं।

ईओडब्ल्यू की विवेचना में सामने आया कि मंडलीय चयन समितियों के अधिकारों के विपरीत ओएमआर शीट का केंद्रीयकृत मूल्यांकन कराने के लिए फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट, रायबरेली को नामित किया गया था। आरोप है कि भर्ती नियमावली के विपरीत निर्णय लेकर ओएमआर शीट में छेड़छाड़ की गई। इसके माध्यम से पात्र अभ्यर्थियों को नुकसान पहुंचाने और अपात्र अभ्यर्थियों को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया। भर्ती के दौरान योगेश कुमार पशुपालन विभाग में प्रमुख सचिव के पद पर तैनात थे।

पीडीए की राजनीति करने वालों को स्टेट गेस्ट हाउस कांड का इतिहास भी याद रखना चाहिए: डॉ. राजेश्वर

900 करोड़ से 5,000 करोड़ तक पहुँचा लखनऊ नगर निगम का बजट, 10 हजार करोड़ तक ले जाने का लक्ष्य

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। समाजवादी पार्टी की पीडीए राजनीति पर सवाल उठाते हुए सरोजनीनगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने चाय पर चर्चा के दौरान वर्ष 1995 के बहुचर्चित स्टेट गेस्ट हाउस कांड की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि आज जो लोग पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों के हितों की बात करते हैं, उन्हें अपने राजनीतिक अतीत का भी आत्ममंथन करना चाहिए।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने तत्कालीन मुख्यमंत्री मायावती के साथ लखनऊ के स्टेट गेस्ट हाउस में हुई घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि उस प्रकरण में एक दलित महिला मुख्यमंत्री की सुरक्षा और सम्मान पर गंभीर सवाल खड़े हुए थे। उनके मुताबिक, सामाजिक न्याय की राजनीति करने वालों को यह बताना चाहिए कि उस दौर में दलित नेतृत्व के साथ ऐसा व्यवहार कैसे हुआ। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि आचरण, विचार और व्यवहार में दिखाई देने वाली प्रतिबद्धता है। वंचित वर्गों के अधिकारों की बात करने वाले राजनीतिक दलों की विश्वसनीयता उनके इतिहास और कार्यशैली से



भी तय होती है। डॉ. सिंह ने विपक्ष की राजनीति पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता को केवल नारों के आधार पर नहीं बल्कि राजनीतिक दलों के वास्तविक व्यवहार और उनके शासनकाल के रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लेना चाहिए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में विकास कार्यों के लिए संसाधनों का विस्तार हुआ है। लखनऊ के विकास को और गति देने के उद्देश्य से नगर निगम के बजट को बढ़ाया गया और भविष्य में यह आंकड़ा 10,000 करोड़ तक पहुँचेगा। डॉ. राजेश्वर सिंह के अनुसार जब प्रदेश में योगी सरकार ने पहली बार सत्ता संभाली थी, तब लखनऊ नगर निगम का बजट लगभग 900 करोड़ था। उस समय करीब 500 करोड़ वेतन और पेंशन जैसे मदों

में व्यय हो जाते थे जिससे विकास कार्यों के लिए सीमित संसाधन बचते थे। उन्होंने कहा कि नगर निगम के बजट में वृद्धि से सड़कों, नालियों, जलनिकासी और अन्य नागरिक सुविधाओं के विस्तार की संभावनाएँ मजबूत हुई हैं। डॉ. राजेश्वर सिंह ने बताया कि सरोजनीनगर में पिछले चार वर्षों के दौरान 2,000 से अधिक सड़कों के निर्माण का कार्य हुआ है। जिन क्षेत्रों में लंबे समय से बुनियादी सुविधाओं की कमी थी, वहाँ भी विकास कार्यों को गति देने का प्रयास किया गया है। प्रदेश के व्यापक आर्थिक परिदृश्य का उल्लेख करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश का बजट वर्ष 2025-26 में लगभग 8.09 लाख करोड़ था, जो वर्ष 2026-27 में बढ़कर लगभग 9.13 लाख करोड़ हो गया। डॉ. सिंह ने कहा कि सरोजनीनगर में औद्योगिक निवेश, लॉजिस्टिक्स पार्क, ब्रह्मोस मिसाइल निर्माण और अन्य परियोजनाओं से आर्थिक गतिविधियों को प्रोत्साहन मिल रहा है। हमारा लक्ष्य है कि विकास के साथ रोजगार के अवसर बढ़ें और क्षेत्र में आधारभूत सुविधाएँ अधिक सुदृढ़ हों।